हिटमैन रोहित शर्मा ने पार्टनर शिखर धवन को कहा इडियट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय लिमिटेड ओवरों की टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा और शिखर धवन की जोड़ी को हर कोई पसंद करता है। ये दोनों जब तक मैदान पर बैटिंग करते हैं विपक्षी टीम के हौसले पस्त होते हैं। दोनों में दोस्ती भी खूब है और एक–दूसरे की तारीफ भी करते हैं, लेकिन इस बार रोहित ने कुछ ऐसा कहा है, जिसकी शिखर धवन को शायद ही उम्मीद रही होगी। दरअसल, उन्होंने अपने पार्टनर को इंडियट (बेवकूफ) कहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के विस्फोटक ओपनर डेविड वॉर्नर से इंस्टाग्राम लाइव चौट के दौरान रोहित ने यह बात कही। उन्होंने चौट के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा– वह एकदम बेवकूफ है। वह पहली गेंद का सामना करना पसंद नहीं करते हैं। वह स्पिनरों का सामना करना पसंद करते हैं, लेकिन तेज गेंदबाजों को नहीं खेलना चाहते हैं।

इस दौरान उन्होंने एक वाकए का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा– मुझे याद है जब 2013 में मैं पहली बार लिमिटेड ओवरों में ओपनिंग करने के लिए उतरा तो साथ में शिखर भी थे। मुझे याद है कि चौंपियंस ट्रोफी में बतौर ओपनर यह दूसरी पारी थी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच था।

कई बार कर सकते हैं बोर

साथ ही उन्होंने कहा– कई बार वह आपको मैदान पर बैटिंग के समय बोर कर सकते हैं। मैं प्लान बनाता हूं और वह मुझसे राजी भी होते हैं, लेकिन कुछ देर बाद कहेंगे कि आपने क्या कहा था? साथी से ऐसी प्रतिक्रिया कई बार खेल के दौरान आपको निराश कर देती है। एक और खास बात है शिखर में। वह पहली और आखिरी गेंद पर सिंगल जरूर भागते हैं।

तब टीम इंडिया ने आधे टूर्नामेंट बाद ही बुक करा ली थी रिटर्न टिकट

ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत के कई दिलचस्प किस्से किए बयां

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व चौंपियन का खिताब साल 1983 में अपने नाम किया था। कपिल देव की कप्तानी में इंग्लैंड पहुंची टीम इंडिया को तब इसका भरोसा नहीं था। कपिल देव की इस टीम की कहानी सुनकर तो ऐसा ही लगता है। तब वर्ल्ड कप में भाग लेने पहुंची टीम इंडिया ने विश्व कप के क्वॉलिफायर राउंड के बाद ही अपनी वापसी के टिकट बुक करा लिए थे। भारत की इस वर्ल्ड कप जीत पर फिल्म 83 बन रही है। इस फिल्म में भारत की इस ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत के कई दिलचस्प किस्से बयां किए गए हैं।

उस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया खिताब की दावेदार नहीं मानी जा रही थी। न तो क्रिकेट पंडितों को और न ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों को यह भरोसा था कि वह इस बार यह खिताब जीतकर यहां से लौटेंगे। लेकिन अंत में भारतीय टीम ने इस नामुमकिन को मुमकिन कर पूरे क्रिकेट वर्ल्ड को हैरत में डाल दिया।

फिल्म 83 कबीर खान द्वारा निर्देशित एक भारतीय खेल ड्रामा फिल्म है, जो 1983 में भारत की अविश्वसनीय क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत की सच्ची कहानी पर आधारित है। इन्हीं किस्सों में से एक यह है कि टीम इंडिया ने मध्य–टूर्नामेंट के दौरान ही अपनी वापसी की टिकट बुकिंग करा दी थी क्योंकि किसी ने भी नहीं सोचा था कि वे 20 जून 1983 को समाप्त होने वाले ग्रुप मैचों में सफल होंगे और सेमीफाइनल 22 जून को होने वाला था।

इतना ही नहीं, टीम के क्रिकेटरों में से सात, जिनमें से कुछ ने तब वर्ल्ड कप से कुछ पहले ही शादी की थी, उन्होंने ग्रुप मैच खत्म होने के तुरंत बाद ही अपनी पत्नियों के साथ छुट्टियां मनाने की योजना बना रखी थी। उन्होंने 20 जून की रात को न्यूयॉर्क के लिए अपने टिकट भी बुक किए थे। इस किस्से पर अधिक रोशनी डालते हुए कबीर खान ने साझा किया, श्यह कहानी मुझे श्रीकांत ने बताई थी कि कैसे सभी को विश्वास था कि भारत वर्ल्ड कप नहीं जीत पाएगा। यहां तक कि खुद भारतीय खिलाड़ियों को भी यही लगता था कि वे वर्ल्ड कप नहीं जीत सकते।

श्रीकांत ने हमें (कबीर खान को) बताया कि जब उनका सिलेक्शन हुआ तो वे सभी बेहद खुश थे और श्रीकांत की उस समय वर्ल्ड कप से कुछ वक्त पहले यानी मार्च में ही शादी हुई थी। जब उन्हें सिलेक्शन की खबर मिली तो उन्होंने निर्णय लिया कि वे लंदन जाकर कुछ मैच वहां खेलेंगे और फिर वहां से 10,000 रुपये ओर डालकर वहां से छुट्टियां मनाने के लिए न्यूयॉर्क रवाना हो जाएंगे।

श्रीकांत के साथ कुछ और भी क्रिकेटर थे, जिन्होंने अपनी पत्नियों से कह दिया था ग्रुप मैच के बाद वे सभी घूमने निकल जाएंगे। कुल 7 खिलाड़ियो ने अडवांस में ही लंदन से न्यूयॉर्क की टिकट बुक करवा रखी थी। और फिर कैसे एक के बाद एक मैच जीतने के बाद उन्होंने इसे गंभीरता से लिया।

कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई टेस्ट मैच की दूसरी पारी जैसीः कुंबले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेंगलुरु। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले (।दपस ज्ञनउइसम) ने खतरनाक कोविड–19 (ब्वअपक– 19) महामारी के खिलाफ लड़ाई की तुलना दिलचस्प टेस्ट मैच की दूसरी पारी से की है, जिसमें लोग थोड़ी भी ढिलाई नहीं बरत सकते। कोरोना वायरस महामारी से अभी तक दुनिया भर में 2,76,000 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 40 लाख से अधिक लोग इसकी चपेट में हैं।

इस महामारी के चलते पूरी दुनिया में खेल प्रतियोगिताएं रद्द या स्थगित हो चुकी हैं, जिसमें तोक्यो ओलिंपिक, यूरोपीय फुटबॉल चौम्पियनशिप और इंडियन प्रीमियर लीग शामिल है। कुंबले ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, श्अगर हमें इस कोरोना वायरस महामारी से लड़ना है तो हमें एकजुट होना होगा। यह एक टेस्ट मैच की तरह है। क्रिकेट टेस्ट मैच पांच दिनी होते हैं लेकिन यह लंबे समय तक चल रहा है।

उन्होंने कहा, क्रिकेट टेस्ट मैच प्रत्येक टीम के लिए दो–दो पारियों के होते हैं लेकिन यह इससे भी ज्यादा का हो सकता है। इसलिए आत्ममुग्ध मत बनिए कि हमने पहली पारी में थोड़ी बढ़त ले ली क्योंकि दूसरी पारी और भी मुश्किल हो सकती है।

कुंबले ने साथ ही कहा, हमें इस लड़ाई को जीतना होगा, यह पहली पारी की बढ़त के आधार पर नहीं जीती जा सकती, हमें इसे पटखनी देकर जीतना होगा। इस पूर्व लेग स्पिनर ने साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों और अन्य का धन्यवाद किया जो काम पर जा रहे हैं, जिससे लोग घर पर रहकर सुरक्षित रह सकें।

सचिन तेंडुलकर ने चार हजार गरीब लोगों की आर्थिक मदद की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंडुलकर ने किलर महामारी कोविड–19 से परेशानी का सामना कर रहे 4,000 गरीब लोगों की आर्थिक मदद की। मास्टर ब्लास्टर ने हालांकि मदद के तौर पर कितनी राशि दी है इसका पता नहीं चला। तेंडुलकर ने यह दान मुंबई की गैर सरकारी संगठन 'हाई5'को दिया। तेंडुलकर ने ट्वीट किया, 'दैनिक वेतन प्राप्त करने वाले परिवारों के समर्थन में 'हाई5'के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।' इस संस्था ने भी ट्वीट कर जरूरमंदों की मदद के लिए तेंडुलकर का आभार जताया।

उन्होंने तेंडुलकर को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'शुक्रिया तेंडुलकर, आपके इस दान से हम कोविड–19 के कारण परेशानी का सामना कर रहे 4,000 गरीब लोगों की मदद कर पाएंगे। इसमें बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के स्कूली छात्र भी शामिल है।'

तेंडुलकर इससे पहले प्रधानमंत्री राहत कोष और मुख्यमंत्री राहत कोष में 25–25 लाख दान दे चुके है। उन्होंने मुंबई के 5,000 परिवारों को एक महीने तक भोजन मुहैया कराने का भी वादा किया था।

न्यूज डायरी

धोनी का हेयरकट चकाचक, लेकिन नहीं कर रहे शेविंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रांची। दुनिया में अगर कोरोना वायरस का हाहाकरा न मचा होता तो इस वक्त एमएस धोनी पीली जर्सी में क्रिकेट मैदान पर चौके–छक्के जड़ते दिख रहे होते। लेकिन लॉकडाउन में धोनी भी अपने घर पर ही आराम फरमा रहे हैं। वर्ल्ड कप 2019 के बाद से ही धोनी क्रिकेट से दूर हैं। इस बार आईपीएल से उन्होंने वापसी का सोचा था और धोनी ने इस टूर्नमेंट के लिए वह पसीना भी खूब बहा रहे थे। देश भर में लॉकडाउन के चलते एमएस धोनी भी अपने घर पर हैं। एमएम धोनी को आपने बियर्ड लुक में बेहद कम मौकों पर देखा होगा। लेकिन धोनी इन दिनों लॉकडाउन में अपना यह शौक पूरा कर रहे हैं। शुक्रवार को जीवा धोनी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया गया। इसमें धोनी और जीवा अपने एक डॉग के साथ टेनिस बॉल से थ्रो गेम खेल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में अच्छे स्पिनरों की कमी पर चिंता में उस्मान ख्वाजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने कहा है कि उनके देश में अच्छे स्पिनरों की कमी होने से यह बात सभी के सामने आ सकती है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ख्वाजा को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर किया गया है। ख्वाजा ने फॉक्स स्पोर्ट्स न्यूज से कहा, क्वॉलिटी स्पिनरों के नहीं होने से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की कमी उजागर हो सकती है, जैसे कि दिग्गज शेन वॉर्न के संन्यास के बाद हुई थी। ऑस्ट्रेलिया में स्पिनरों की स्थिति पर चिंता होती है। हमें सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि हमारे पास नाथन लॉयन के रूप में एक बड़ा गेंदबाज है लेकिन उनके बाद कौन? दिग्गज शेन वॉर्न के संन्यास लेने के बाद से ऑस्ट्रेलिया अब तक 14 से ज्यादा स्पिनरों को आजमा चुका है, लेकिन लॉयन ही उनमें लगातार टीम के लिए उपलब्ध होते रहे हैं। उन्होंने अब तक करियर में 96 टेस्ट, 29 वनडे और 2 टी20 इंटरनैशनल मैच खेले हैं।

अगर जरूरी हुआ तो जोकोविच को भी लेना होगा टीकाः राफेल नडाले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैड्रिड। टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल ने कहा कि अगर इस खेल को संचालित करने वाली संस्था ने कोरोना वायरस के टीके को खिलाड़ियों के लिए जरूरी किया तो नोवाक जोकोविच को भी इसका पालन करना होगा। जोकोविच ने हाल ही में कहा कि यात्रा के लिए अनिवार्य होने की स्थिति में भी वह कोरोना वायरस का टीका नहीं लेंगे। उन्होंने हालांकि बाद में कहा कि वह अपनी बातों पर फिर से विचार करने के लिए तैयार हैं। नडाल ने स्पेनिश अखबार 'ला वोज डी ग्लेसिया' से कहा कि जोकोविच सहित सभी खिलाड़ी को नियमों का पालन करना होगा। नडाल ने कहा कि किसी के साथ जोर–जबरदस्ती नहीं करना चाहिए और हर किसी को अपने बारे में फैसला करने का अधिकार है। लेकिन हर खिलाड़ी को टेनिस अधिकारियों द्वारा तय नियमों का पालन करना होगा। यह हर किसी के बचाव के लिए होगा। उन्होंने कहा, 'अगर जोकोविच शीर्ष स्तर पर खेलते रहना चाहते हैं तो उन्हें टीका लगाना होगा। मेरे लिए भी ऐसा ही होगा।

ओलिंपिक क्रिकेट नहीं, जहां 5–7 देश खेलते हैं और मेडल जीतना आसानः मिल्खा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। महान भारतीय ऐथलीट मिल्खा सिंह का मानना है कि ओलिंपिक में मेडल जीतना क्रिकेट खेलने से कहीं अधिक मुश्किल है। उन्होंने कहा कि यहां फाइनल में पहुंचना भी आसान नहीं होता। इसके साथ ही फ्लाइंग सिख ने तोक्यो ओलिंपिक में कोई भी ऐथलेटिक मेडल नहीं मिलने की बात भी कही। बता दें कि तोक्यो ओलिंपिक इसी वर्ष होना था, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से इसे अगले वर्ष तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। पाकिस्तान में जाकर धमाल मचाने वाले इस महान ऐथलीट ने दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में कहा, श्ओलिंपिक में ऐथलेटिक सबसे मुश्किल खेल है। यही नहीं, रेसलिंग या शूटिंग भी आसान नहीं है। यह क्रिकेट की तरह नहीं है, जहां 5–7 देश खेलते हैं। जहां भारत आज हार गया तो कल जीत गया। ओलिंपिक में 200 से 220 देश खेलते हैं। यहां तक पहुंचना भी आसान नहीं था।